7.3.1 ***Describe/Explain the performance of the institution in one area distinctive to its vision, priority and thrust***

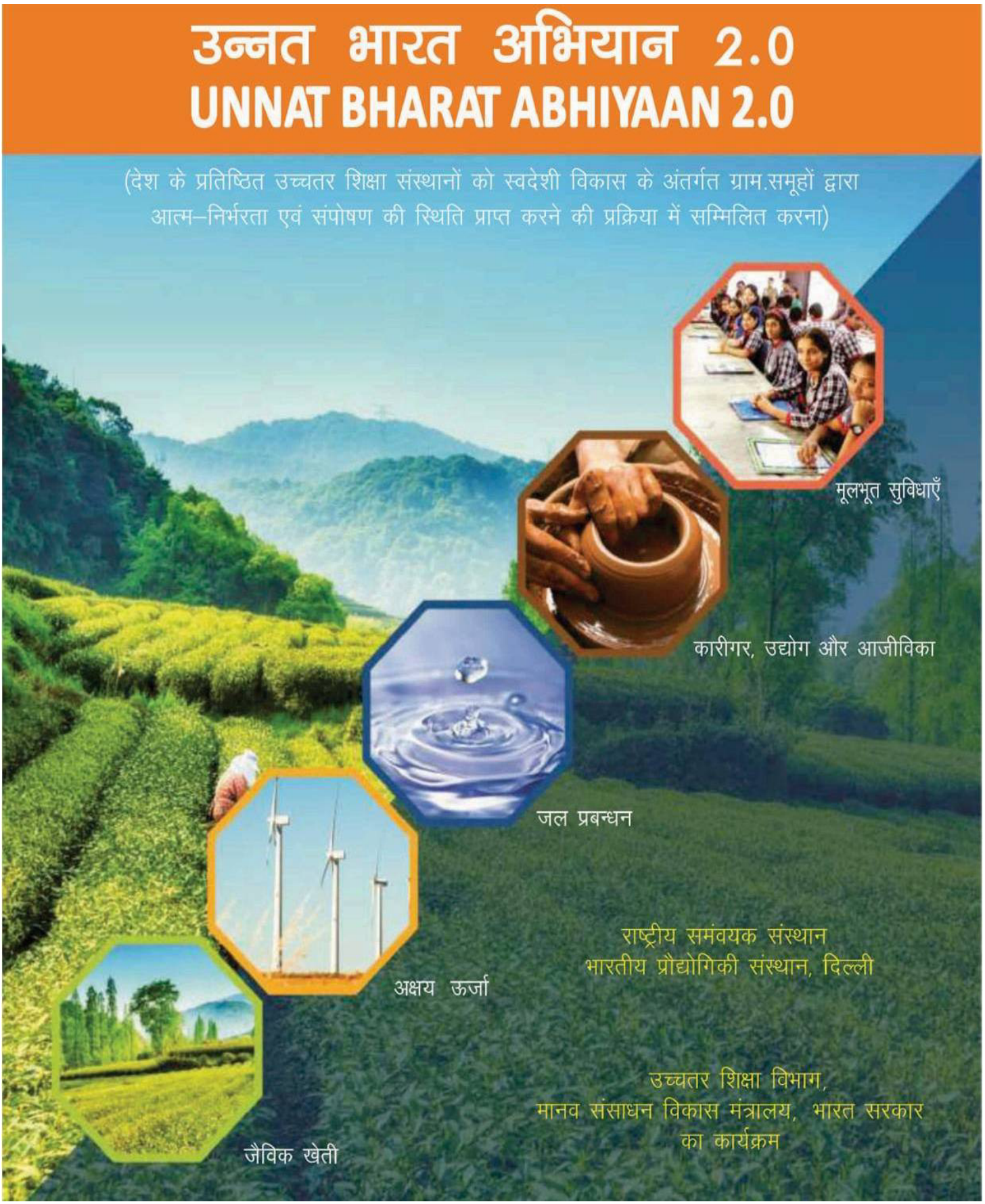

उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत भोपाल परिसर द्वारा बर्राई ग्राम को दत्तक ग्राम बनाया गया।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित मानित विश्वविद्यालय राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भोपाल परिसर द्वारा केन्द्र सरकार की अभिनव योजना उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत बर्राई ग्राम को दत्तक लिया गया। संस्थान के छात्र छात्राओं ने प्राध्यापकों के मार्ग निर्देशन में सर्वप्रथम ग्राम का सर्वेक्षण किया। ग्रामवासियों की समस्याओं को जानकर उनके हल की जानकारी उन्हें दी। ग्राम में स्वच्छता की स्थिति बनाने हेतु आवश्यक जानकारी ग्रामीणों को देते हुए व्यक्तिगत व सामुदायिक स्वच्छता के प्रति आग्रह की अपील की। उन्हें शिक्षा का महत्त्व बताया तथा सभी बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित किया। इस कार्यक्रम का समापन दिनांक 01 अगस्त 2018 को बर्राई ग्राम की शासकीय माध्यमिक शाला में ग्राम सभा के आयोजन के साथ हुआ; इस कार्यक्रम में ग्रामीण पुरुष एवं महिलाओं के साथ–साथ ग्राम प्रधान श्री अबध नारायण मीणा, स्थानीय पार्षद श्री कामता प्रसाद पाटीदार, शासकीय माध्यमिक शाला की प्राचार्या श्रीमती अमिता श्रीवास्तव तथा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर के प्राचार्य डॉ. प्रकाश पाण्डेय उपस्थित थे। श्री मीणा, श्री पाटीदार एवं ग्रामीण बंधुओं ने ग्राम के विकास के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। श्रीमती श्रीवास्तव ने सभी ग्रामीणों को प्रोत्साहित किया कि वे अपने–अपने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दें। डॉ. प्रकाश पाण्डेय ने समस्त उपस्थित जनों को प्रेरित किया कि वे ग्रामों के विकास पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि समस्त ग्रामों के विकास से ही राष्ट्र विकसित व सशक्त हो सकता है। इस कार्यक्रम की कार्य समिति में संस्थान के प्राध्यापक डॉ. नरेश कुमार पाण्डेय, डॉ. सोमनाथ साहू, डॉ. दाताराम पाठक, श्री सुमित सक्सेना व डॉ. विवेक कुमार सिंह सदस्य थे।....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
मानित विश्वविद्यालय
(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में संचालित)
56–57, इन्स्टीटयूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058

RASHTRIYA SANSKRIT SANSTHAN
DEEMED UNIVERSITY
(Established under the Auspices of the Ministry of Human Resource Development, Govt. of India)
56-57, Institutional Area, Janakpuri, New Delhi-110058

क्रमांक
No .....

दिनांक 16/4/18
Date.....

16-April-2018

81022/RSkS/ProSc/UBA-VA/2018/15

D.No. R.S.S. Bh./33
Dated 16/4/18

To

The Principal I/c
Rashtriya Sanskrit Sansthan
(Deemed University)
Bhopal Campus
Bhopal, M.P.

Sub: Village Adoption under UBA – reg.

Respected Sir,

With immense pleasure, it is to inform that Rashtriya Sanskrit Sansthan (Deemed University) is selected under 'Unnat Bharat Abhiyan', a flagship program of Ministry of Human Resource Development (MHRD).

Letter received from of Prof. V. K. Vijay, National Coordinator, UBA and Head CRDT, IIT Delhi, is herewith for your further necessary action. Hence you are hereby requested to take the immediate step is to consult the District Collector of selected village and to inform about the selection of village under UBA. Acceptance/Acknowledgement letter in this concern received from the District Collector is to be send (scanned copy) to headquarter on or before 18th April, 2018 by 5p.m. positively. This must be treated as most URGENT.

This is issued with the approval of the Competent Authority.

(Mantha Srinivasu)
Project Officer

(VC) TEL.: 28523949 FAX : 011-28521948 (REGISTRAR) TEL.: 28520979 FAX: 28520976
E-PABX : 011-28520977, 28521994, 28524993,95 TELEFAX : 28524532 (ADMN.) 28521258 (EXAM.) 28524387 (N.F.S.E.)
Gram : 'SAMSTHAN' e-mail : rsks@nda.vsnl.net.in Website : www.sanskrit.nic.in

उन्नत भारत अभियान
ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
हौजखास, नयी दिल्ली – 110016
UNNAT BHARAT ABHIYAN
CENTRE FOR RURAL DEVELOPMENT AND TECHNOLOGY
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY, DELHI
Hauz Khas, New Delhi – 110016
Website: http://unnat.iitd.ac.in

Prof. Virendra K. Vijay
Coordinator, UBA
IREDA Chair Professor and Head, CRDT

Tel : +91-11-2659 1121/1157(O)
Fax : +91-11-2659 1121
Email: unnatbharatabhiyaniitd@gmail.com
vkvijay@rdat.iitd.ac.in,

Date: 13th March, 2018

Subject: Orientation Program for Participating Institution (PIs) in Unnat Bharat Abhiyan (UBA)

Dear Sir/ Madam

Congratulations to all the Participating Institutions selected under Unnat Bharat Abhiyan, a flagship program of Ministry of Human Resource Development (MHRD).

We are glad that you have applied and got selected for the program, most of you may be new to the program. It is thus desirable that you know more about it right at the outset.

We are therefore happy to invite you for an orientation workshop for Unnat Bharat Abhiyan on 25th April 2018 at All India Council for Technical Education, Auditorium New Delhi (AICTE, Auditorium). The UBA program will also be formally launched by Shri Prakash Javdekar, Honorable Minister, HRD, GOI that day and would share his thoughts about UBA as well as expectations from the PI's. A detailed program is attached herewith for your reference.

The immediate step is to select a cluster of at least five villages in consultation with the District Collector if you have not already done so. Please login for registration and upload the list of the selected villages at the earliest, latest by 19th April 2018 on UBA website portal. This is a prerequisite for attending the Orientation Workshop. Also inform the District Collector about the villages selected and upload a scanned copy of the letter received in his office. Similarly upload a consent letter from your head of the Institution agreeing to participate in UBA activities and provide all required facilities for the same. A format for the consent letter is attached herewith.

Also upload the name and contact details of UBA coordinator for further communication at your Institute. I hope your institution will be able to bear TA/DA etc for participation in orientation workshop. Local hospitality like lunch, tea, snacks etc will be taken care by the organiser.

Your participation is important for this workshop. Looking forward to meet you on 25th April at New Delhi.

Regards and best wishes for your institution for contributing India's development.

Prof. V.K. Vijay
National Coordinator, UBA,
and Head CRDT, IIT Delhi

...संस्कृत संस्थान
...विश्वविद्यालय
...साधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्त्वाधान में संचालित)
...7, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058

RASHTRIYA SANSKRIT SANSTHAN
DEEMED UNIVERSITY
(Established under the Auspices of the Ministry of Human Resource Development, Govt. of India)
56-57, Institutional Area, Janakpuri, New Delhi-110058

क्रमांक
No 81022/RSkS/ProSe/UBA-VA/2018/751

दिनांक
Date 12.02.2018

To,

The Principal In-charge
Rashtriya Sanskrit Sansthan (D.U.)
Bhopal Campus, Sanskrit Marg,
Bag Sevania, Bhopal – 462043 (M.P.)

D.No. R.S.S. Bh./1293
Dated 20/2/18

Sir,

As part of 17 point action plan adopted for implementation by Ministry of H.R.D, Government of India, the Rashtriya Sanskrit Sansthan, under the programme of "Unnat Bharat Abhiyaan", has decided to adopt for villagers to help its rural poor by translating our knowledge.

Sansthan will start this as a Pilot Project. Under this project Sansthan will be opening a coordinating centre in a selected village in rural area. Through this centre Sansthan will organize its different activities to help the villagers to acquire the knowledge of Sanskrit and related subjects.

The competent authority of Rashtriya Sanskrit Sansthan has decided to open a centre in a suitable rural village through your campus. For this purpose initially you may identify a village for starting this Abhiyaan and other details regarding the budget for running the centre and other programmes will be circulated separately.

You are requested to kindly go through the guidelines attached, and take further needful action, as early as possible, in order to launch this Abhiyaan in the current financial year 2017-18 itself (for further information / clarification Dr. ManthaSrinivasu, Project Officer can be contacted at E-mail:-rsksprofficer@gmail.com, (M) 88515 50903 / 97172 32466).

This is issued with the approval of Competent Authority.

Yours faithfully,

12/2/18
(S. SubrahmanyaSarma)
Registrar I/c

Encl:- Guidelines for "Unnat Bharat Abhiyaan"

(VC) TEL.: 28523949 FAX : 011-28521948 (REGISTRAR) TEL.: 28520979 FAX: 28520976
E-PABX : 011-28520977, 28521994, 28524993,95 TELEFAX : 28524532 (ADMN.) 28521258 (EXAM.) 28524387 (N.F.S.E.)
Gram : 'SAMSTHAN' e-mail : rsks@nda.vsnl.net.in Website : www.sanskrit.nic.in

1. पृष्ठभूमि एवं आवश्यकता

जैसा कि महात्मा गांधी ने बीसवीं सदी के पहले दशक में रची अपनी प्रभावशाली किताब "हिन्द स्वराज" में ही इंगित कर दिया था - केंद्रीकृत प्रौद्योगिकियों एवं शहरीकरण पर पूर्णतः आधारित पाश्चात्य विकास की अवधारणा ने लगातार बढ़ती ही जाती सामाजिक असमानता और तेजी से गिरावट की और अग्रसर पारिस्थिकीय संतुलन के कारण होने वाले जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्याओं को बढ़ावा दिया है। इन समस्याओं के निवारण हेतु यह अत्यंत आवश्यक हो गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास आत्मनिर्भर 'ग्रामीण गणतंत्र' पर आधारित गांधीवादी दूरदृष्टि का अनुसरण करते हुए हो जिससे कि स्थानीय संसाधनों, विकेन्द्रीकृत, और पारिस्थितिकी के अनुकूल प्रौद्योगिकियों का उपयोग इस तरह से किया जा सके कि खाद्य, कपड़ा, मकान, स्वच्छता, स्वास्थ्य, ऊर्जा, आजीविका, परिवहन और शिक्षा आदि की पूर्ति स्थानीय स्तर पर ही संपन्न हो जाए।

वर्तमान में भारत की लगभग 70% आबादी गाँवों में वास करती है। यूं तो कृषि एवं सम्बंधित क्षेत्र आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था कुल ग्रामीण कार्यबल के 51% भाग को कार्य प्रदान करती है लेकिन देश के सकल घरेलू उत्पाद में इसकी भागीदारी केवल 17% की ही है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के विकास में बहुत बड़ी असंबद्धता और विसंगतियां बनी हुयी हैं। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा, आय, मूलभूत सुविधाओं और रोजगार के अवसरों में स्पष्ट असमानताओं के कारण न केवल असंतोष व्याप्त हुआ है, वरन बहुत बड़ी संख्या में लोग ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की और पलायन करते रहे हैं, और कर रहे हैं। तेजी से बढ़ता शहरीकरण न तो दीर्घकालिक उपयोगी ही सिद्ध होता है और न ही यह वांछनीय समाधान प्रस्तुत करता है। इस नाते सतत एवं दीर्घकालिक उद्देश्यों की पूर्ति कर सकने वाले विकास की अति–आवश्यकता को अत्यंत तीव्रता से वैश्विक स्तर पर महसूस किया जा रहा है। ऐसे विकास को प्राप्त करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में पारिस्थितिकी के अनुकूल तौर–तरीके अपनाने और सुयोग्य कामकाज के अवसर जुटाने की महत्ती आवश्यकता है।

अभी तक हमारे उच्चतर शिक्षा संस्थान मुख्यतः मुख्य धारा से सम्बंधित औधौगिक क्षेत्रों की और ही उन्मुख रहे हैं और चंद अपवादों को छोड़कर मुश्किल से ही किसी ने ग्रामीण विकास में किसी तरह का कोई प्रत्यक्ष योगदान दिया है। अलबत्ता उनके पास ग्रामीण जन समूह के जीवन स्तर में उल्लेखनीय गुणवत्ता लाने के कार्य में सहायता प्रदान करने के लिए ज्ञान और संसाधनों की संपदा अवश्य उपस्थित है। उच्चतर शिक्षा संस्थानों के इस सामर्थ्य के ग्रामीण विकास में यथोचित उपयोग की संभावना और इस सहभागिता के तरीके खोजने के उद्देश्य से ही 'उन्नत भारत अभियान' (UBA) की कल्पना की गई है।

"उन्नत भारत अभियान" की अवधारणा की कल्पना सर्वप्रथम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्था, दिल्ली के समर्पित संकाय सदस्यों, जो कि ग्रामीण विकास एवं इसके लिए सुयोग्य प्रौद्योगिकियों के विकास कार्य में जुटे हुए थे, की पहल पर की गई। तत्पश्चात भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में 2014 के सितंबर माह में आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेने आये हुए बहुत से तकनीकी संस्थानों के प्रतिनिधियों, ग्रामीण प्रौद्योगिकी कार्यवाही समूह ((RuTAG) समंवयकों, और ग्रामीण विकास के कार्य से जुड़े हुए सरकारी एवं स्वयंसेवी संगठनों, से विस्तृत एवं गहन विचार विमर्श करके "उन्नत भारत अभियान" के विचार को और ज्यादा विकसित करके इसकी रूपरेखा को ठोस आकार दिया गया। अंततः 11 नवम्बर, 2014 को भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के माननीय केन्द्रीय मंत्री द्वारा "उन्नत भारत अभियान" का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली को "उन्नत भारत अभियान (UBA)" के 'राष्ट्रीय समंवयक संस्थान' के रूप में नियुक्त किया गया है। इस वृहद अभियान को देश भर में सुचारू रूप से लागू करने के लिए अनेक अन्य शीर्ष संस्थानों जैसे कि IITs, IISC, IIMs, NITs और CUs (केन्द्रीय विश्वविद्यालयों) आदि, जिनके पास पहले से ही ग्रामीण विकास कार्यों के लिए आधारभूत ज्ञान एवं संरचनात्मक ढांचा और पर्याप्त एवं उचित अनुभव है, को 'क्षेत्रीय समंवयक संस्थानों' के रूप में चिंहित किया गया है, जिससे कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में केन्द्रीय संस्थान के रूप में कार्य करते हुए वहां उपस्थित अन्य विभिन्न

सुयोग्य संस्थानों की पहचान करके उन्हें उनकी क्षमतानुसार कार्य सौंप कर उनका मार्गदर्शन, उनके मध्य समंवय एवं उनके द्वारा किये कार्य का निरीक्षण कर सकें।

2. दूरदृष्टि (Vision), ध्येय (Mission) एवं उद्देश्य (Objectives)

दूरदृष्टि :

स्वदेशी विकास के माध्यम से ग्राम समूहों को आत्म–निर्भरता एवं संपोषण की अवस्था प्राप्त कराने की प्रक्रिया में देश के प्रतिष्ठित उच्चतर शिक्षा संस्थानों(तकनीकी/गैर तकनीकी/सार्वजनिक/निजी) को सम्मिलित करना।

ध्येय :

'उन्नत भारत अभियान' उपर्युक्त दूरदृष्टि के अनुरूप चल कर निम्नलिखित ध्येयों को साधने का प्रयास करेगा :

- क्षेत्र स्तर पर प्रभावी कार्य करने के लिए शैक्षिक संस्थानों, कार्यान्वयन संगठनों (जिला प्रशासन/पंचायती राज संस्थाओं) और जमीनी स्तर के हितधारकों के मध्य आवश्यक प्रक्रिया तंत्र एवं उपयुक्त समंवय विकसित करना।
- ग्रामीण जनसमूह के जीवन स्तर को उन्नत करने के आधारभूत लक्ष्य की पूर्ती में निर्णायक भूमिका निभाते हुए स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार वर्तमान में उपलब्ध प्रौद्योगिकियों एवं ज्ञान संपदा का यथोचित उपयोग करना। योग्य ग्रामीण समूहों का चयन करके, इन समूहों के समग्र विकास में ऐसे प्रभावी तरीके से सक्रिय भागीदारी करना जिससे, पारिस्थितिकी संतुलन बनाये रखने वाली सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने वाली प्रौद्योगिकियों और स्थानीय संसाधनों का भली भांति उपयोग किया जा सके, सरकारी बहुविध योजनाओं का भरपूर लाभ उठाया जा सके और इन सब प्रक्रियाओं में रोजगार के पर्याप्त अवसर सृजित किये जा सकें।
- समग्र विकास लाने के लिए उच्चतर शिक्षा संस्थानों में प्रचलित शैक्षिक पाठ्यक्रमों और शोध कार्यों का इस तरह से पुनर्विन्यास करना जिससे वे स्थानीय आवश्यकताओं के और अधिक सुसंगत बन सकें।

उद्देश्य :

- उच्च शिक्षा संस्थानों के संकाय एवं छात्रों को ग्राम्य वास्तविकताओं से अवगत कराने के लिए उन्हें इस क्षेत्र से जोड़ना।

- स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप, विद्यमान अभिनव प्रौद्योगिकियों को पहचानना एवं चुनना, प्रौद्योगिकियों को अभीष्ट परिवर्तन के अनुकूलन के योग्य बनाना, अथवा अभिनव समाधानों लागू करने के लिए कार्यान्वयन युक्तियाँ बनाना।
- विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु प्रक्रिया के विकास के लिए संस्थानों की ज्ञान संपदा का लाभ उठाना।

3. कार्य अवसर के प्रमुख क्षेत्र

गाँवों के समग्र विकास की ओर अग्रसर होने के लिए दो प्रमुख क्षेत्र - मानव विकास एवं सामग्री (आर्थिक) विकास, हैं, जिन्हें समेकित रूप से विकसित किए जाने की आवश्यकता है। इन दो क्षेत्रों के प्रमुख घटक नीचे दिए गए हैं, और चित्र–1 में स्पष्टता से दर्शाए गए हैं :–

(क) मानव विकास

- स्वास्थ्य
- शिक्षा एवं संस्कृति
- मूल्य
- कौशल एवं उद्यमिता

(ख) सामग्री (आर्थिक) विकास

- जैविक खेती
- जल प्रबन्धन एवं संरक्षण
- अक्षय ऊर्जा स्रोत
- कारीगर एवं ग्राम्य उद्योग
- स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों का विकास एवं दोहन
- मूलभूत सुविधाएँ
- ई– सहायता (सूचना प्रौद्योगिकी में सक्षम बनाना)

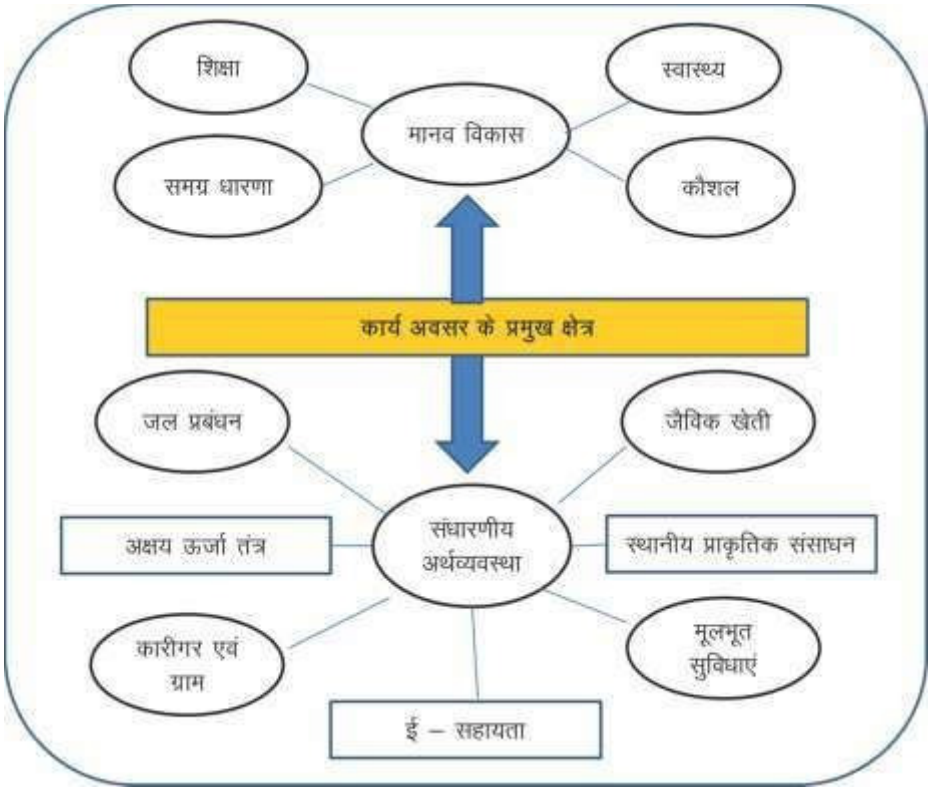

चित्र 1 : कार्य अवसर के प्रमुख क्षेत्र